।।साथी हमारा कौन बनेगा।।

(तर्ज: और इस दिल में क्या रखा है.....)
साथी हमारा कौन बनेगा, तुम ना सुनोगे तो कौन सुनेगा
आ गया दर पे तेरे, सुनाई हो जाये, जिन्दगी से दुःखों की विदाई हो जाये,
एक नजर कृपा की डालो, मानूँगा एहसान,
संकट हमारा कैसे टलेगा, तुम ....
सुना हमने सभी से, खिवैया एक ही है,
ढूँढ़ ली सारी दुनिया, कन्हैया एक ही है,
अब की नैया पार लगाओ, मानूँगा एहसान,
हमको किनारा कैसे मिलेगा, तुम ....
पानी है सर से ऊपर, मुसीबत अड़ गई है,
आज हमको तुम्हारी, जरूरत पड़ गई है,
अपने हाथ में हाथ पकड़ लो, मानूँगा एहसान,
साथ हमारे कौन चलेगा, तुम.....

.

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com